चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	1-10-25	4	1-4

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशें हुई स्वीकृत

हकृवि में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का हुआ समापन

कार्यशाला के दौरान मंच पर उपस्थित अधिकारीगण

हिसार, 30 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला-रबी का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर हकृवि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आर.एस. सोलंकी ने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है। किसानों के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना करने के साथ-साथ ड्रोन, मोबाइल एप और सौर ऊर्जा आधारित यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने किसान प्रशिक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान मेलो, फील्ड डेमो और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए, जिनमें खरीफ फसलें, गेहूं एवं जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी फसलें-चारा फसलें, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री व ड्राइलेंड एग्रीकल्चर शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

इस कार्यशाला में प्रमुख सिफारिशें जो स्वीकृत हुई

-पूसा बासमती 1718: यह धान की एक अर्ध-बौनी बासमती किस्म है जो लगभग 120 सेमी लंबी होती है। इसकी बीज से बीज तक पकने की अवधि 140 दिन है। यह पारंपरिक बासमती किस्मों की तरह सुगंधित होती है। इसकी औसत धान उपज 18-20 क्विंटल प्रति एकड़ है।

-कोटा उड़द-6: यह मध्यम पकाव वाली (76 दिन) भूरे रंग के दानों वाली किस्म है। यह किस्म क्रिंकल विषाणु रोग व श्यामवर्ण रोग की प्रतिरोधी एवं मोज़ेक, सर्कोस्पोरा धब्बा, पर्ण कुंचन विषाणु व चूर्णिल आसिता रोगों के प्रति माध्यम प्रतिरोधी है। इसमें एफिड, फलिघुन कीट व फली मक्खी का प्रकोप काम होता है।

-ज्वार चारा की फसल पर जस्ता व लौह तत्व की कमी के लक्षण प्रकट होने पर सिफ़ारिश किए गए खाद के साथ 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट व 0.5 प्रतिशत फैरस सल्फेट का 2 प्रतिशत यूरिया के साथ फसल पर 15 दिन के अन्तर पर दो छिड़काव करें।

-धान में पीला तना छेदक सुंडी की रोकथाम के लिए आईसोसाईकलोसीरम 20 प्रतिशत डब्ल्यू/वी एस सी (इन्सिपिओ) 120 मिलीलीटर 200 लीटर पानी में प्रति एकड़ की दर से रोपाई के 20 व 35 दिन पर छिड़काव करें।

-कपास की फसल में हरा तेला की रोकथाम के लिए आईसोसायक्लोसेरम (सिमोडिस 9.2 प्रतिशत डी.सी.) की 80 मिली लीटर मात्रा (20 ग्राम क्रियाशील तत्व) को 175-200 लीटर पानी में मिलाकर आर्थिक कगार आने पर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

-गेहूं में मिश्रित खरपतवारों के नियंत्रण के लिए बिजाई के तुरंत बाद उचित नमी में 800 मि ली प्रति एकड़ अक्लोनिफेन 36.89 प्रतिशत -धान की पराली प्रबंधन के लिए एचएयू बायो-डीकम्पोजर तैयार किया है जिसके छिड़काव से धान की पराली को खेत में गलाने में मदद मिलेगी।

-धान की तीन पुरानी किस्मों को समग्र सिफारिशों से हटाया गया है जिनमें एचकेआर 120, एचकेआर 126 व एचकेआर 46 शामिल हैं।

-मूंग फसल की सत्या एवं बसंती किस्म को समग्र सिफारिशों से हटाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	1-10-25	12	2-8

कार्यक्रम

स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें : डॉ. गर्ग

हकृवि में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का समापन

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशों को मिली स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। कार्यशाला के समापन अवसर पर हकृवि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आर.एस. ने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है।

हिसार। कार्यशाला के दौरान मंच पर उपस्थित अधिकारीगण। फोटो : हरिभूमि

कार्यशाला में स्वीकृत हुई कुछ सिफारिशें

1. पूसा बासमती 1718 : यह धान की एक अर्ध-बौनी बासमती किस्म है जो लगभग 120 सैमी लंबी होती है। इसकी बीज से बीज तक पकने की अवधि 140 दिन है। यह पारंपरिक बासमती किस्मों की तरह सुगंधित होती है। इसकी औसत धान उपज 18-20 क्विंटल प्रति एकड़ है।

2. कोटा उड़द-6 : यह मध्यम पकाव वाली (76 दिन) मूरे रंग के दानों वाली किस्म है। यह किस्म क्रिंकल विषाणु रोग व श्यामवर्ण रोग की प्रतिरोधी एवं मोजेक, सर्कोस्पोरा धब्बा, पर्ण कुंचन विषाणु व चूर्णिल आसिता रोगों के प्रति माध्यम प्रतिरोधी है। इसमें एफिड, फलिघुन कीट व फली मक्खी का प्रकोप काम होता है।

3. ज्वार चारा की फसल पर जस्ता व लौह तत्व की कमी के लक्षण प्रकट होने पर सिफारिश किए गए खाद के साथ 0.5 प्रतिशत जिंक सल्फेट व 0.5 प्रतिशत फैरस सल्फेट का 2 प्रतिशत यूरिया के साथ फसल पर 15 दिन के अन्तर पर दो छिडकाव करें।

4. ज्वार की उत्पादकता बढ़ाने के लिए, पानी में घुलनशील उर्वरक एनपीके 19-19-19 का 1 प्रतिशत की दर से या पोटेशियम नाइट्रेट 0.5 प्रतिशत की दर से फूल आने और फली बनने की अवस्था में छिडकाव करना लाभदायक होता है।

5. धान में पत्ता लपेट सुंडी के प्रबंधन के लिए, रोपाई के 30 दिन से शुरू करके 10 दिनों के अंतराल पर ट्राइकोग्रामा कीलोनिस से परजीवीकृत 40,000-50,000 अंडे/एकड़ की दर से चार बार छोड़ें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-10-25	4	1-2

एचएयू में राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशें स्वीकृत हुईं

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कृषि कॉलेज के सभागार में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। इसमें प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और एचएयू के वैज्ञानिकों ने रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में चर्चा की।

कार्यशाला के समापन पर एचएयू के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने एचएयू के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें, ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आर.एस. सोलंकी और विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने भी संबोधित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	1-10-25	4	4-8

कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशें स्वीकृत

हिसार, 30 सितंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। कार्यशाला के समापन अवसर पर हकृवि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आरएस सोलंकी ने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कार्यशाला में विभिन्न छह सत्र आयोजित किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	30.09.2025	--	--

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशें हुई स्वीकृत

समस्त हरियाणा ब्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

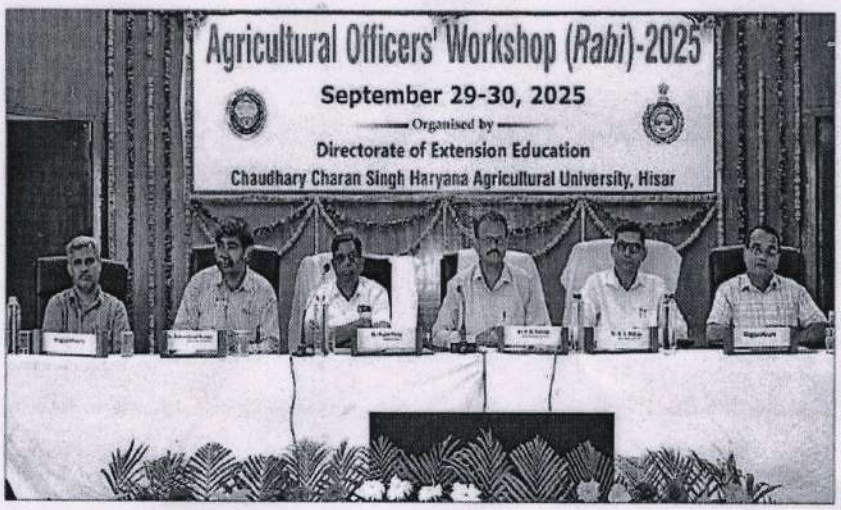

कार्यशाला के समापन अवसर पर हकृवि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। उन्होंने बीज एवं अनुसंधान कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि अधिकारी एवं वैज्ञानिक अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी एवं क्षेत्र विशिष्ट किस्मों का विकास करना सुनिश्चित करें।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आर.एस. सोलंकी ने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है। किसानों के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना करने के साथ-साथ ड्रोन, मोबाइल एप और सौर ऊर्जा आधारित यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने किसान प्रशिक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान मेलो, फील्ड डेमो और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छः सत्र आयोजित किए गए जिनमें खरीफ फसलें, गेहूं एवं जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी फसलें-चारा फसलें, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री व ड्राइलैंड एग्रीकल्चर शामिल हैं।

इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनील डांडा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	30.09.2025	--	--

हकृवि में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का समापन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया। कार्यशाला के समापन अवसर पर हकृवि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स न्यूज	30.09.2025	--	--

हकृवि में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला का हुआ समापन

राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में 19 सिफारिशें हुई स्वीकृत

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कृषि अधिकारी कार्यशाला रबी का समापन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेशभर के कृषि अधिकारियों और हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के बारे में विस्तृत चर्चा करने के साथ-साथ विभिन्न महत्वपूर्ण तकनीकी पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया।

कार्यशाला के समापन अवसर पर हकृवि के अनुसंधान निदेशक व समापन सत्र के अध्यक्ष डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान अलग-अलग फसलों के लिए 19 सिफारिशों को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने हकृवि के वैज्ञानिकों तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे स्वीकृत सिफारिशों को किसानों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें ताकि किसान अपने उत्पादन के साथ-साथ आय में भी बढ़ोतरी कर सकें। उन्होंने बीज एवं अनुसंधान कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए कहा कि अधिकारी एवं वैज्ञानिक अधिक पैदावार देने वाली रोग प्रतिरोधी एवं क्षेत्र विशिष्ट किस्मों का विकास करना सुनिश्चित करें। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक व सह अध्यक्ष डॉ. आर.एस. सोलंकी ने कहा कि किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना करना अत्यंत आवश्यक है।

किसानों के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना करने के साथ-साथ ड्रोन, मोबाइल एप और सौर ऊर्जा आधारित यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने किसान प्रशिक्षण और जागरूकता बढ़ाने के लिए किसान मेलो, फील्ड डेमो और प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कहा कि हकृवि द्वारा आयोजित कृषि वैज्ञानिकों व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों की कार्यशाला में विभिन्न छ: सत्र आयोजित किए गए जिनमें खरीफ फसलें, गेहूं एवं जौ, गन्ना-मक्का, दलहनी फसलें-चारा फसलें, तिलहन तथा एग्रोफोरेस्ट्री व ड्राइलैंड एग्रीकल्चर शामिल हैं। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा सहित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।